ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, मंगलवार 15 जुलाई 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 100

राजस्थान में KYC अपडेट के नाम पर साइबर फ्रॉड:बैंक अफसर बन कर रहे कॉन्टैक्ट, अकाउंट ब्लॉक करने देते धमकी

24 न्यूज अपडेट

साइबर क्रिमिनल लगातार नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने आमजन को केवाईसी (KYC) विवरण अपडेट करने के नाम पर होने वाली साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहने की सलाह दी है।

एसपी (साइबर क्राइम) शांतनु कुमार सिंह ने बताया- साइबर क्रिमिनल खुद को बैंक अधिकारी बताते हुए लोगों को फेक एसएमएस, ई-मेल या कॉल करते हैं। वे लोगों को डराते हैं कि अगर उन्होंने अपना केवाईसी (KYC) अपडेट नहीं कराया तो उनका बैंक अकाउंट ब्लॉक कर दिया जाएगा। सभी लेनदेन रोक दिए जाएंगे। लोग घबराकर केवाईसी अपडेट करने का तरीका पूछते हैं तो ये क्रिमिनल उन्हें एक संदिग्ध मैलवेयर APK फाइल डाउनलोड करने या अपना ओटीपी शेयर करने के लिए कहते हैं। इन निर्देशों का पालन करते ही आपकी सभी व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी अपराधियों के हाथ लग जाती है। जिससे वह साइबर फ्रॉड का शिकार बनाते है।

साइबर क्रिमिनल से रहे सावधान

- याद रखें कि कोई भी बैंक या वित्तीय संस्था कभी-भी फोन कॉल या इस तरह के अन्य माध्यमों से आपकी गोपनीय जानकारी नहीं मांगती है।
- KYC प्रक्रिया हमेशा अपनी बैंक ब्रांच में जाकर ही पूरी करें। किसी भी अननोन स्रोत से मिली फाइलें डाउनलोड न करें।
- ई-मेल या वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया ऐप्स पर भेजे गए अनधिकृत लिंक पर कभी-भी क्लिक न करें, खासकर ऐप्स डाउनलोड करने के लिए।
- किसी भी संदिग्ध या धोखाधड़ी वाले संचार की जानकारी चक्षु पोर्टल (https://sancharsaathi.gov.in/sfc/) पर दें।
- अपनी गोपनीय जानकारी, जैसे बैंक अकाउंट नंबर, कार्ड नंबर, सीवीवी, पिन, ओटीपी या इंटरनेट बैंकिंग विवरण, किसी के साथ शेयर नहीं करें।
- अगर आप किसी ऐसी धोखाधड़ी का शिकार होते हैं तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in या अपने निकटतम पुलिस स्टेशन/साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं।

सोना 387 गिरकर 97,916 प्रति 10 ग्राम पर आया:चांदी 1,868 फिसलकर 1.12 लाख किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 15 जुलाई को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 387 गिरकर 97,916 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले इसका दाम 98,303 पर था।

वहीं चांदी की कीमत 1,868 कम होकर 1,11,999 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,13,867 पर थी। ये चांदी का ऑल टाइम हाई भी है। वहीं सोने ने 8 जून को 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

गुजरात में पुल टूटा, 15 फीट नीचे गिरे 8 लोग:सभी को बचाया गया; 7 दिन पहले वडोदरा पुल हादसे में 21 की जान गई थी

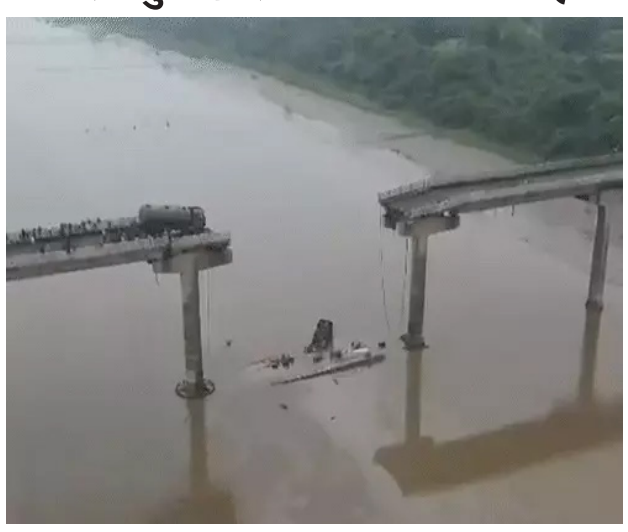

24 न्यूज अपडेट

गुजरात में मंगलवार सुबह जूनागढ़ जिले में मरम्मत के दौरान एक पुल का स्लैब ढह गया। पुल पर मौजूद 8 लोग 15 फीट नीचे गिर गए। हालांकि सभी को बचा लिया गया है।

जूनागढ़ में यह हादसा मांगरोल तालुका के अजाज गांव में हुआ। यह पुल केशोद को माधवपुर से जोड़ने वाला एक मुख्य रास्ता है, जहां से रोजाना कई वाहन गुजरते हैं।

सुबह पुल की मरम्मत का काम चल रहा था। तभी अचानक पुल का स्लैब ढह गया और हिताची मशीन तेज आवाज के साथ नीचे गिर गई।

पुल के स्लैब पर कुछ लोग भी खड़े थे, जो स्लैब गिरने पर सीधे नदी में गिर गए, लेकिन गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई।

गुजरात में एक हफ्ते में पुल टूटने की दूसरी घटना सामने आई है। 9 जुलाई को वडोदरा का गंभीर ब्रिज टूट गया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक लापता है।

9 जुलाई 2025 को मुजपुर और अंकलाव को जोड़ने वाला गंभीर ब्रिज अचानक ढह गया था। यह ब्रिज मध्य गुजरात और सौराष्ट्र को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग था। हादसे के दौरान कई वाहन नदी में गिर गए थे। अब तक 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और एक शव की तलाश अभी भी जारी है।

45 साल पुराना यह ब्रिज दक्षिण गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता है। इसके टूटने से भरूच, सूरत, नवसारी, तापी और वलसाड से सौराष्ट्र पहुंचना मुश्किल हो गया है। अब इसके लिए अहमदाबाद होकर जाना होगा।

स्पेस स्टेशन में 18 दिन रहकर लौटे शुभांशु:स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग कैलिफोर्निया के तट पर हुई, पहली बार कोई भारतीय ISS गया

24 न्यूज अपडेट

शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट स्पेस स्टेशन में 18 दिन रहने के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। करीब 23 घंटे के सफर के बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की आज यानी 15 जुलाई को दोपहर 3 बजे कैलिफोर्निया के तट पर लैंडिंग हुई। इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं। चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले यानी सोमवार की शाम 4:45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे।

सभी एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समयानुसार शाम 4:01 बजे ISS पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे ये रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी।

शुभांशु की वापसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का उनकी ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा से पृथ्वी पर वापसी के लिए स्वागत करता हूं।

शुभांशु ने अपने समर्पण, साहस से अरबों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन- गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है।

राजस्थान में भारी बारिश से 16 की मौत:MP में नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर, UP में उद्घाटन से पहले 4 पुलों की सड़कें बहीं

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में भारी बारिश के चलते बाढ़ के हालात हैं। प्रदेश में बरसात के कारण हुए अलग-अलग हादसों में 24 घंटे में 16 लोगों की मौत हो गई। सोमवार को कोटा में प्रदेश में सबसे ज्यादा 198mm बारिश हुई। यहां कोटा बैराज के 12 गेट खोले गए हैं।

मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। नर्मदा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जबलपुर, रीवा समेत 10 जिलों में एक सप्ताह से लगातार बारिश जारी है। इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सोमवार को श्योपुर के कई इलाके और गांव पानी से घिरे रहे। मकान-दुकानों से लेकर अस्पताल तक में पानी भर गया।

UP के लखनऊ, कानपुर, बरेली समेत 15 शहरों में तेज बारिश के कारण जलभराव-बाढ़ के हालात हैं। प्रदेश के कई बांध ओवरफ्लो होने लगे हैं। सोमवार को ललितपुर के गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोले गए। चित्रकूट में उद्घाटन से पहले 51 करोड़ से बने 4 पुलों की एप्रोच सड़कें बह गईं।

हिमाचल प्रदेश में बीते 24 दिन में 105 लोगों की मौत बारिश से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी हैं। राज्य की 200 से ज्यादा सड़कें अभी भी बंद हैं। मनाली-चंडीगढ़ हाईवे पिछले 3 दिन से रोजाना लैंडस्लाइड के चलते बंद हो रहा है।

सेंसेक्स 317 अंक चढ़कर 82,571 पर बंद:निफ्टी में 114 अंक की तेजी रही; ऑटो, रियल्टी और सरकारी बैंकिंग शेयरों में उछाल

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार, 15 जुलाई को सेंसेक्स 317 अंक चढ़कर 82,571 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 114 अंक की तेजी रही, ये 25,196 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में तेजी रही। सनफार्मा, टाटा मोटर्स और BEL के शेयर्स में करीब 2% की तेजी रही। वहीं निफ्टी के 50 में से 35 शेयर्स चढ़कर बंद हुए।

NSE से सभी सेक्टरों में भी तेजी रही। ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.5% की तेजी रही। रियल्टी, सरकारी बैंकिंग और IT इंडेक्स में करीब 1% की तेजी रही।

भारत में लॉन्च हुई टेस्ला मॉडल Y की पहली तस्वीरें:अमेरिका से 28 लाख महंगी, जानें बुकिंग से लेकर कीमत और सर्विसिंग की सभी डिटेल्स

24 न्यूज अपडेट

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की कंपनी टेस्ला का पहला शोरूम आज यानी, 15 जुलाई को मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में खुल गया है।

अभी केवल मॉडल Y कार भारत में बेची जाएगी। इसकी कीमत 60 लाख रुपए से शुरू है। ये अमेरिका की तुलना में 28 लाख रुपए ज्यादा है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने टेस्ला शोरूम क उद्घाटन किया। इसके साथ ही कारों की बुकिंग शुरू हो गई है।

एक्सपीरियंस सेंटर के तौर पर काम करेगा टेस्ला का शोरूम

ये स्टोर लोगों के लिए एक एक्सपीरियंस सेंटर के तौर पर काम करेगा। यानी यहां न सिर्फ गाड़ियां बेची जाएंगी, बल्कि लोग टेस्ला की टेक्नोलॉजी और फीचर्स को भी करीब से देख सकेंगे।

इवेंट में खास मेहमान और मीडिया के लोग शामिल हो रहे हैं। इसके बाद जल्द ही आम जनता के लिए भी शोरूम खोल दिया जाएगा। अभी केवल मॉडल Y को भारत में लॉन्च किया है।

इसे चीन से आयात किया गया है इसलिए इंपोर्ट ड्यूटी लगने के बाद कीमत 60 लाख रुपए है। आने वाले वक्त में कंपनी स्थानीय उत्पादन पर भी विचार कर सकती है, जिससे कीमतें कम हो सकती हैं। हालांकि, टेस्ला ने अभी तक मैन्युफैक्चरिंग के प्लान के बारे में नहीं बताया है।

गोल्डन टेंपल को फिर बम से उड़ाने की धमकी:24 घंटे में दूसरा ई मेल भेजा, लिखा- पाइपों में RDX भरा, डॉग-बम स्क्वायड, BSF पहुंची

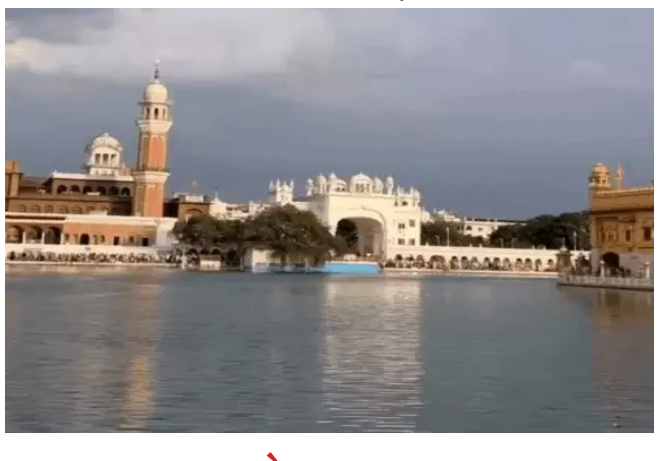

24 न्यूज अपडेट

पंजाब में गोल्डन टेंपल को लगातार दूसरे दिन बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ई-मेल पर मिली है। आरोपी ने दावा किया है कि पाइपों में RDX भर दिया गया है, जिससे गोल्डन टेंपल के अंदर धमाके किए जाएंगे।

हालांकि, सुरक्षा कारणों से न तो मेल और ना ही उसमें लिखे गए शब्दों को सार्वजनिक किया गया है। जांच के लिए डॉग और बम स्क्वायड पहुंचा।

वहीं, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) और अमृतसर पुलिस भी अलर्ट हो गई है। BSF और पुलिस कमांडो तैनात किए गए हैं। हर आने-जाने वाले पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इससे पहले सोमवार को मेल पर ही गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

लोगों में डर पैदा करने के लिए धमकी दी: SGPC सचिव प्रताप सिंह ने कहा कि कुछ शरारती तत्वों की तरफ से धमकी दी गई है कि गोल्डन टेंपल को बम से उड़ा दिया जाएगा। ये जो धमकी दे रहे हैं, वे सिर्फ गोल्डन टेंपल की बात नहीं करते, वे सभी धर्मों के धार्मिक स्थानों को उड़ाने की बात भी कर रहे हैं। उनका कोई धर्म नहीं होता। ये लोगों में डर की भावना पैदा करने के लिए ऐसा करते हैं।

सरकार धमकी देने वाले को पकड़े: सचिव ने कहा कि संगत पहले की तरह ही माथा टेकने आ रही है। गुरुघर में कीर्तन सुन रहे हैं। संगत से विनती है कि ये गुरुओं का दर है और यहां ऐसा सोचना भी पाप है। जिसने भी ये धमकी दी है, ये सरकारों का काम है कि वे उसे ट्रेस करे और सख्त से सख्त सजा दे। ये पुलिस प्रशासन और केंद्र का भी काम है कि इन्हें पकड़ा जाना चाहिए।

एकता को खंडित करने की साजिश: प्रताप सिंह ने कहा कि इस स्थान पर शांति और एकता का संदेश मिलता है। यहां हर धर्म के लोग आकर नतमस्तक होते हैं। ये धर्म से तोड़ने की और एकता को खंडित करने की साजिश है।

संपादकीय : बेलगाम अपराध

बिहार में कुछ महीने के बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मगर राजनीतिक दलों के बीच जनहित से जुड़े मुद्दों पर बात होने के बजाय राज्य फिलहाल जघन्य अपराधों के सिलसिले के लिए सुर्खियों में है। हैरानी की बात यह है कि एक समय 'जंगल राज' का हवाला देकर नीतीश कुमार और उनकी पार्टी ने राज्य की सत्ता हासिल की थी, तो उसकी पृष्ठभूमि में सबसे बड़ा कारण यही था कि उन्होंने आपराधिक घटनाओं के बेलगाम होने और उससे लोगों के असुरक्षित महसूस करने को ही मुख्य मुद्दा बनाया था। उसके बाद नीतीश कुमार पिछले करीब बीस वर्षों से राज्य की सत्ता पर लगातार काबिज हैं। बिहार में बदलाव के लिए उन्होंने अपना एक सबसे अहम नारा यही दिया था कि वे राज्य में आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाएंगे और आम लोगों की जिंदगी को सुरक्षित बनाएंगे। मगर इतने वर्षों के बाद भी अगर जमीनी हकीकत यह है कि अमूमन हर रोज हत्या जैसे जघन्य अपराध बेलगाम हो गए दिख रहे हैं, तो इसकी रोकथाम में नाकामी की जिम्मेदारी किसकी बनती है। गौरतलब है कि पटना और सारण जिले में रविवार को हुई अलग-अलग घटनाओं में एक वकील और एक शिक्षक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। साथ ही, पटना के पिपरा इलाके में एक स्वास्थ्य अधिकारी की भी हत्या कर दी गई। इसके अलावा, सोमवार को वेगूसराय में तीन लोगों पर गोलीबारी और एक हत्या की घटना सामने आई। ऐसा लगता है कि राज्य में अपराधी पूरी तरह बेखौफ और बेलगाम हो चुके हैं और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। वरना क्या वजह है कि हाल में पटना में एक बड़े व्यवसायी की हत्या की घटना के तूल पकड़ने के बावजूद राज्य की कानून- व्यवस्था के मोर्चे पर कुछ भी ऐसा नहीं देखा जा रहा है, जिससे आपराधिक तत्वों के भीतर कानून का खौफ पैदा हो और वे किसी अपराध को अंजाम देने से हिचकें । उल्टे ऐसा लगता है कि कानून-व्यवस्था पर से राज्य सरकार की लगाम छूट चुकी है और अपराधी सरेआम अपनी मनमानी कर रहे हैं। सवाल है कि ऐसी स्थिति में राज्य की जनता को सरकार और अपराधों पर काबू पाने की उसकी क्षमता के बारे में क्या सोचना चाहिए ? बिहार में सरकार की लाचारी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सब कुछ ठीक होने के तमाम दावों के बावजूद संगीन अपराधों का एक विचित्र सिलसिला खमने आ रहा है, जिसमें व्यापारी, शिक्षक, वकील जैसे अपेक्षया बेहतर स्थिति में माने जाने वाले लोगों को भी घोर असुरक्षा में जीना पड़ रहा है। ऐसे में आम लोगों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। राज्य अपराध रेकार्ड ब्यूरो के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में जनवरी से जून के बीच हर महीने औसतन 229 लोगों की हत्या के साथ 1,376 मामले सिर्फ हत्या के दर्ज किए गए। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के मुताबिक भी बिहार लगातार जानलेवा हथियारों से जुड़े अपराधों के साथ-साथ हिंसक अपराधों के मामले में देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल रहा है। अगर सरकार या पुलिस का यह मानना है कि पिछले कुछ समय से अवैध रूप से निर्मित या बिना वैध दस्तावेजों के आधार पर खरीदे गए आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद की आसान उपलब्धता ने जघन्य अपराधों के ग्राफ में तेजी ला दी है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है ? राज्य सरकार क्या केवल सुशासन के हवा-हवाई दावों और लोकलुभावन वादों के बूते वहां की मौजूदा त्रासद स्थिति का सामना कर सकती है ?

लापरवाही की हद

किसी भी आपराधिक घटना में न्याय मिलने में जरूरत से ज्यादा विलंब या न्याय मिलते नहीं दिखना, पीड़ित व उसके परिवार की पीड़ा को कई गुना बढ़ा देता है। कई बार तो पीडित व्यक्ति इतना आहत हो जाता है कि उसके जीने की इच्छा तक दम तोड़ देती है। ओड़ीशा में बालासोर के एक कालेज की छात्रा के साथ भी संभवतः यही हुआ । इस छात्रा ने अपने एक शिक्षक के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर समय रहते कार्रवाई नहीं होने पर पीड़िता आत्मदाह जैसा चरम कदम उठाने पर मजबूर हो गई और अब उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सवाल है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? कालेज प्रशासन ने इस मामले में तत्काल गंभीरता और संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई ? पीड़िता को ऐसा क्यों महसूस हुआ कि उसे न्याय नहीं मिल पाएगा? गौरतलब है कि पीड़ित छात्र ने संबंधित कालेज की आंतरिक अनुपालन समिति में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। खबरों के मुताबिक, न सिर्फ उस पर तत्काल जांच जैसी कोई कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि मामले को दबाने के लिए दबाव भी बनाया गया। इससे आहत होकर पीड़िता खुद को आग लगा ली। अब वह अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही है। इस घटना के बाद कालेज के प्राचार्य और विभागाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है और मामले में मुख्य आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही सरकार ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित की है । सवाल है कि अगर कालेज प्रशासन की ओर से ऐसी सक्रियता पहले दिखाई गई होती, तो क्या छात्रा को खुद को आग लगाने की हद तक पहुंचने से रोका नहीं जा सकता था? अक्सर देखा गया है कि जब कोई घटना तूल पकड़ लेती है, तो उसके बाद ही शासन और प्रशासनिक अमला हरकत में आकर चुस्ती दिखाने लगता है। जबकि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जाती है। सरकार को इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेना चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आरोप और घटना की गहन जांच हो, सच्चाई सामने आए, दोषी को सजा मिले और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई हो। तभी न्याय की उम्मीद की जा सकती है।

प्रशासन वीआईपी की सेवा में व्यस्त, फतहसागर पर जान का खतरा!!

24 न्यूज़ अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर के फतहसागर पर ये बच्चे पानी में अटखेलियां कर रहे हैं। कभी रेलिंग से लटक रहे हैं तो कभी करतब दिखाते हुए पानी में कूद रहे हैं। ये फतहसागर के ओवरफ्लो के काले किवाड़ वाले छोर का नजारा है। यहां पर पानी में जाना सख्त मना है। बाकायदा पाल पर बोर्ड भी लगे हुए हैं चेतावनी के। लेकिन लापरवाही हद की है। यहां पर कोई लाइफ गार्ड नहीं है, कोई सिक्योरिटी नहीं है। कोई टोंकने वाला तक नहीं है। एक तरफ तो जिला प्रशासन बारिश में लोगों से उदयपुर के समीप रायता गांव में जाने पर सावधानी बरतने की अपील कर रहा है, वहीं दूसरी ओर बारिश में फतहसागर में लगातार नहर के माध्यम से आ रहे पानी के बावजूद कोई सिक्योरिटी नहीं रखी गई है। यह लापरवाही बहुत भारी पड़ सकती है क्योंकि पूरे राजस्थान से लोगों के पानी में डूबने की खबरें आ रही हैं। हम नहीं चाहते कि प्रशासनिक लापरवाही इन नादान बच्चों की जान पर भारी पड़ जाए। ये बच्चे भीलवाड़ा से आए हैं। पूछने पर बताया कि उनका मन किया कि नहा लें, तो वे थोड़ी सी हिचक के बाद पानी में कूद पड़े। किसी ने उनको नहीं रोका। आपको बता दें कि काले किवाड़ वाला छोर बहुत ही खतरनाक है। लेकिन देखिए किस तरह से यह बच्चा दरवाजे के पास खड़ा होकर नीचे कुछ चीजें फेंक रहा है। अगर इस बच्चे का बैलेंस बिगड़ जाता है तो नीचे बचने की संभावना तक नहीं है। अभी सुहावने मौसम में फतहसागर में टूरिस्ट बूम आया हुआ है लेकिन प्रशासन नेताओं और अधिकारियों की वीआईपी विजिट में इतना खोया हुआ है कि जनता की सुरक्षा की अपनी बेसिक ड्यूटी ही भूल गया है। हमारे इस वीडियो को देखने के बाद कलेक्टर साहब उन अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करें जिनके जिम्मे फतहसागर की देखभाल करना है। यदि जनता के इस छोटे से काम का बजट नहीं है तो जनता से अपील करके दानदाताओं से बजट ले लें, क्योंकि ऐसी लापरवाही अक्षम्य है। वीआईपी की सुरक्षा के चक्कर में फतहसागर की सुरक्षा का अपना जिम्मा नहीं भूलें। बच्चों से ज्यादा गलती हम उन अफसरों की मानते हैं जिनकी जिम्मेदारी फतहसागर पर सुरक्षा व्यवस्था देखना है।

श्रावण सोमवार की रात तन्नेश्वर महादेव मंदिर में चोरी, श्रद्धालुओं में आक्रोश, गर्भगृह के बाहर रखे दान पात्र से नकदी उड़ाई, कातरा माताजी मंदिर और अन्य जगहों पर भी ताले तोड़े

24 न्यूज अपडेट

सलूम्बर/परसाद। श्रावण मास के पहले सोमवार की रात तन्नेश्वर महादेव मंदिर, परसाद में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र माने जाने वाले इस शिवधाम में करीब दर्जनभर नकाबपोश चोरों ने मंदिर परिसर में घुसकर गर्भगृह के सामने रखे दान पात्र को तोड़कर हजारों रुपये की नकदी चुरा ली। चोरी की यह घटना केवल तन्नेश्वर महादेव तक सीमित नहीं रही, बल्कि चोरों ने पास ही स्थित कातरा माताजी मंदिर के दानपात्र को भी तोड़कर नकदी चुरा ली।

योजनाबद्ध तरीके से दिया वारदात को अंजाम

चश्मदीदों और प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, करीब 11 नकाबपोश बदमाश एक क्रूजर गाड़ी में आए थे। उन्होंने पहले मंदिर परिसर और आसपास की रेकी की, फिर सीसीटीवी कैमरों की दिशा मोड़ दी ताकि वारदात रिकॉर्ड न हो सके। इसके बाद उन्होंने देर रात चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया।

परसाद क्षेत्र में अन्य चोरियों की भी पुष्टि

उसी रात परसाद क्षेत्र में माताजी मंदिर, डेलवास हॉस्टल के पास एक किराना केबिन और ग्रामीण दलीचंद कलाल के घर में भी चोरी या चोरी का प्रयास किया गया। किराना केबिन का ताला तोड़कर राशन सामग्री चुरा ली गई, जबकि ग्रामीण के घर के ताले टूटे मिले।

ग्रामीणों में बढ़ा आक्रोश

घटनाओं के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से आमजन भयभीत हैं, लेकिन पुलिस न तो पहले की वारदातों का खुलासा कर सकी है और न ही गश्त व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कुछ नकाबपोश चोरों की गतिविधियां कैद हुई हैं, हालांकि चोरों ने कैमरों की दिशा बदलने का प्रयास किया था। पुलिस ने फुटेज जब्त कर जांच शुरू कर दी है और बदमाशों की तलाश की जा रही है।

राजसमंद में दो मंजिला मकान गिरा, एक की मौतः चार लोग थे घर में, हादसे से कुछ पल पहले ही बचे दो सदस्य

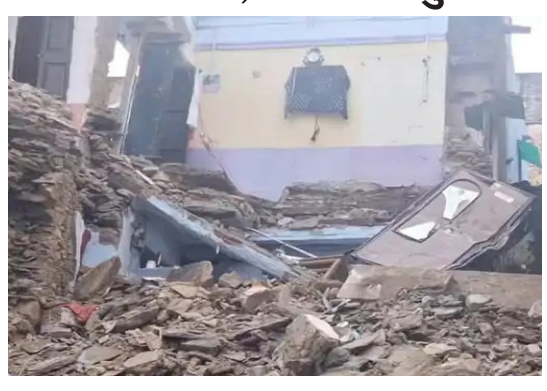

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद | जिले के कांकरोली क्षेत्र के धोरा मोहल्ला में सोमवार देर रात एक जर्जर दो मंजिला मकान भरभराकर गिर गया, जिससे मलबे में दबकर एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के वक्त मकान में एक ही परिवार के चार सदस्य सो रहे थे, जिनमें से दो सदस्य अंतिम क्षणों में बाल-बाल बच गए।

आधी रात डेढ़ से दो बजे के बीच हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा सोमवार देर रात करीब डेढ़ से दो बजे के बीच हुआ। दो मंजिला मकान में करण सिंह, उनकी पत्नी, बड़े भाई गोविंद सिंह और भाभी मंजू कंवर सो रहे थे। तभी छत से अचानक मलबा गिरा, जिससे करण सिंह की नींद खुल गई। उन्होंने तुरंत अपनी पत्नी को जगाया और दोनों तेजी से बाहर निकल गए।इसके बाद करण सिंह ने अपने बड़े भाई-भाभी को भी आवाज लगाई, लेकिन इतने में पूरा मकान धराशायी हो गया और दोनों मलबे में दब गए।

मलबे में दबे भाई-भाभी, एक की मौत

घटना की जानकारी मिलते ही मोहल्लेवासियों ने रेस्क्यू शुरू किया और गंभीर रूप से घायल गोविंद सिंह और मंजू कंवर को बाहर निकाला। उन्हें तुरंत आरके हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने गोविंद सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं मंजू कंवर की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उदयपुर रेफर कर दिया गया।

मकान था बेहद जर्जर, बारिश बनी कारण

स्थानीय लोगों और परिजनों के अनुसार मकान काफी पुराना और जर्जर अवस्था में था। हाल ही में हुई तेज बारिश के कारण इसकी दीवारें और छत और भी कमजोर हो गई थीं। मकान की दूसरी मंजिल की छत केलूपोश थी, जो पानी सोखने के कारण भारी हो गई और हादसे का कारण बनी।

पुलिस पहुंची मौके पर, मामला दर्ज

हादसे की सूचना मिलते ही कांकरोली थाना पुलिस मय जाब्ता मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को मोर्चरी में रखवाया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेंट एंथोनी स्कूल के 2 तैराकों का शानदार प्रदर्शन, सौम्या खमेसरा, सिर्जन सिंह विजेता

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। हाल ही में सम्पन्न हुई 36वीं राज्य तैराकी चैंपियनशिप में उदयपुर का प्रतिनिधित्व करते हुए सेंट एंथोनी स्कूल के 2 तैराकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 7 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए। विद्यालय के प्राचार्य श्री विलियम डीसूजा ने जानकारी दी कि सौम्या खमेसरा ने 100, 400, 800 और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में 4 स्वर्ण पदक तथा 200 मीटर फ्रीस्टाइल और 200 मीटर रिले में 2 रजत पदक जीते। सिर्जन सिंह ने 50, 100 और 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में 3 स्वर्ण पदक, 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले (IM) में 1 रजत पदक तथा 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 1 कांस्य पदक जीता। विद्यालय के प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ ने सभी विजेता तैराकों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रकट कीं। इस अवसर पर प्राचार्य विलियम डिसूज़ा ने कहा की हम छात्र,छात्रा को शुभकामनाएँ देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। । इस मौके पर स्कूल प्रबंधन उत्कृष्ट समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद देते हुए उनकी प्रशंसा की है। उनकी यह उपलब्धि सभी के लिए गर्व का विषय है और सभी उनसे नई ऊँचाइयाँ हासिल करने की उम्मीद करते हैं।

मुस्लिम कलाकार ने तिरंगा शिवलिंग ,कावड़ कलश व नागराज ,बनाया, हरिद्वार के धरती लोक ,शिव मंदिर में करेंगे भेंट ,राजस्थान के मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के विश्व विख्यात 100 विश्व रिकॉर्ड होल्डर डॉक्टर इक़बाल सक्का ने सावन के पवित्र माह में पूरे देश में चल रही कावड़ यात्रा के मौके पर विश्व की सबसे छोटी लेंस से देखे जाने वाली सोने की गोलाकार व्रत परजी सजी हुई समस्त विश्व को शांति और भाईचारे का संदेश देती हुई शिवलिंग , तिरंगी कावड़ कलश ,व नागराज बनाकर विश्व एकता,की एक मिसाल कायम की है डॉक्टर सक्का ने बताया कि राजस्थान सरकार की तरफ से हरिद्वार में धरती लोक में दुनिया का इकलौता शिवलिंग है दक्षिश्वर महादेव मंदिर में भेंट करना चाहते हैं इसके लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री माननीय भजनलाल जी शर्मा को पत्र लिखा है डॉ सक्का ने बताया कि सोने से बनी राई के दाने से भी छोटी तिरंगी कावड़ कलश में बाकायदा डॉक्टर सक्का ने एक कतरा गंगाजल भरा है मात्र एक मिलीमीटर से भी छोटी शिवलिंग,तिरंगा कावड़ कलश व नागराज का वजन 000मिली ग्राम है यानी इतनी हल्की है कि धर्म कांटे पर भी वजन नहीं आ रहा है इसको बनाने में सक्का को 3 दिन का समय लगा।

उदयपुर कुश्ती जगत ने स्व. दलपत सुराणा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 जुलाई। स्व. उस्ताद कर्ण सिंह पहलवान भीम राष्ट्रीय व्यायामशाला, चांदपोल में मंगलवार को उदयपुर के कुश्ती जगत ने स्व. दलपत सुराणा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर नगर के उस्तादों और पहलवानों ने सुराणा के कुश्ती खेल में अमूल्य योगदान को याद किया। डॉ. दिलीप सिंह चौहान ने बताया कि स्व. सुराणा ने उदयपुर कुश्ती को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी स्मृति कुश्ती प्रेमियों के दिलों में हमेशा जीवित रहेगी। इस अवसर पर पूर्व अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कोच व रेफरी कैलाश पालीवाल ने युवा पहलवानों को बताया कि स्व. सुराणा भारतीय कुश्ती संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहे। वर्ष 1996 में उदयपुर के गांधी ग्राउंड में पहली बार राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन उनकी अगुवाई में हुआ। उस प्रतियोगिता में उदयपुर के पहलवान राकेश अठवाल ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। कुश्ती प्रेमी जलामचंद जैन ने जानकारी दी कि स्व. सुराणा राजस्थान कुश्ती संघ के संरक्षक भी रहे और कई अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिताओं में तकनीकी अधिकारी और टीम मैनेजर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, हंगरी, ईरान, मिश्र, ताशकंद और अमेरिका जैसे देशों में भारतीय कुश्ती दल का नेतृत्व किया। उदयपुर जिला कुश्ती संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शर्मा ने श्रद्धांजलि सभा में कहा कि स्व. सुराणा हमेशा उदयपुर की कुश्ती के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। इस अवसर पर श्री चतुर्भुज हनुमान राष्ट्रीय व्यायामशाला, हरिदास जी की मगरी के संचालक कृष सेन, कुश्ती कोच हेमंत अठवाल, कोच केशु लाल भील, श्री राम व्यायामशाला के उस्ताद नितिन वसीटा, जाजि मेघवाल, किशन सोनी, चंद्र प्रकाश खत्री, हितेश सोलंकी, कैलाश कुमावत, प्रशांत सिंह चौहान, जयदीप अजमेरा, लखन द्विवेदी, अभिराज, फैजान अगवानी, आरव सुखवाल, दिव्यांश, युवी सोनी, सुरेश अजमेरा, मोहित भट्ट, मितांशु सेन, अनीश, मनीष, अंश, सुरेंद्र, विशाल सोलंकी, पलक सोनी, माही ओड, नंदिनी जोशी सहित बड़ी संख्या में पहलवान और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में सभी ने स्व. सुराणा को कुश्ती जगत की धरोहर बताते हुए उनके योगदान को स्मरण किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

राजस्थान में SGST विभाग की बड़ी कार्रवाई : बिना ई-वे बिल के परिवहन हो रहे आयरन स्क्रैप से भरे 10 ट्रक जब्त

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 15 जुलाई। राज्य में कर चोरी पर शिकंजा कसते हुए राज्य वस्तु एवं सेवा कर (SGST) विभाग ने मंगलवार को एक बड़ी कार्रवाई की। विभाग ने बिना वैध दस्तावेजों और ई-वे बिल के अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे आयरन स्क्रैप से भरे 10 ट्रकों को जब्त किया। यह कार्रवाई शासन सचिव वित्त (राजस्व) एवं मुख्य आयुक्त वाणिज्यिक कर विभाग श्री कुमार पाल गौतम के निर्देशन में राज्य प्रवर्तन शाखा द्वारा संचालित एक विशेष अभियान के तहत अंजाम दी गई। एक साथ कई जगहों पर मारी छापेमारी प्रवर्तन शाखा ने विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई के लिए कई टीमों का गठन किया। इन टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी करते हुए इन ट्रकों को पकड़ा। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह स्क्रैप विभिन्न सरिया निर्माण इकाइयों में भेजा जा रहा था, लेकिन इसके लिए कोई वैध दस्तावेज अथवा ई-वे बिल तैयार नहीं किया गया था, जो कि जीएसटी अधिनियम 2017 का स्पष्ट उल्लंघन है। विभाग को पिछले कुछ समय से आयरन स्क्रैप के अवैध परिवहन और कर चोरी की गुप्त सूचनाएं लगातार मिल रही थीं। इन सूचनाओं के आधार पर विभाग ने एक रणनीति बनाकर यह व्यापक कार्रवाई की। जांच जारी, और बड़े खुलासों की संभावना फिलहाल, प्रवर्तन शाखा द्वारा पकड़े गए ट्रकों में लदे स्क्रैप के वास्तविक मालिकों, परिवहनकर्ताओं और गंतव्य स्थलों का पता लगाया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान कर चोरी के और भी बड़े मामलों का खुलासा हो सकता है। शासन सचिव एवं मुख्य आयुक्त श्री कुमार पाल गौतम ने कहा कि, "राज्य में कर चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। वाणिज्यिक कर विभाग प्रदेश में कर कानूनों के उल्लंघन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा और कर चोरी पर पूर्ण नियंत्रण के लिए विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है।" इस बड़ी कार्रवाई से ट्रेड सर्कल और स्क्रैप कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। वाणिज्यिक कर विभाग ने संकेत दिए हैं कि इस तरह की छापेमारी और कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेंगी।

गढ़ी में भू-माफिया पर फर्जी रजिस्ट्री का आरोप - विधायक कैलाश मीणा के निशाने पर तहसीलदार और सीआई

24 न्यूज अपडेट

गढ़ी (डूंगरपुर), 15 जुलाई। गढ़ी विधानसभा क्षेत्र में भू-माफियाओं की गतिविधियों और प्रशासन की मिलीभगत को लेकर क्षेत्रीय विधायक कैलाश मीणा ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को थाना परिसर में धरना देने के बाद अब विधायक ने गढ़ी तहसीलदार भगवतीलाल जैन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। विधायक मीणा ने तहसीलदार पर भू-माफियाओं के साथ सांठगांठ कर फर्जी रजिस्ट्रियां जारी करने और पंचायत व बस स्टैंड की जमीनों पर फर्जीवाड़ा करने का आरोप जड़ा है। इसके साथ ही गढ़ी थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह को भी माफियाओं के संरक्षण का दोषी बताया है। जनसुनवाई में फूटा जनता का गुस्सा, सामने आए फर्जीवाड़े मंगलवार को विधायक ने अपने निवास पर जनसुनवाई रखी, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग अपनी जमीन से जुड़ी समस्याएं लेकर पहुंचे। इस दौरान कई लोगों ने आरोप लगाया कि बिना उनकी जानकारी के उनके नाम से या उनके हिस्से की जमीन पर फर्जी रजिस्ट्री कर दी गई। विधायक ने बताया कि एक मामला हीरालाल चरपोटा के नाम से भी सामने आया है, जिसमें पंचायत और बस स्टैंड की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री की गई। सभी रजिस्ट्रियां तहसीलदार के स्तर से की गई हैं। तहसील और थाने में दलालों का कब्जा मीणा ने कहा — "मैंने पहले ही तहसीलदार को कहा था कि किसी भी रजिस्ट्री या पट्टे से पहले मौके पर जाकर उसकी वेरिफिकेशन कराएं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। स्थिति यह है कि भू-माफिया और जमीन दलाल दिनभर थाने और तहसील में डेरा डाले रहते हैं। ये अधिकारी उनके इशारे पर काम कर रहे हैं।" विधायक ने चेतावनी दी है कि यदि गढ़ी सीआई रोहित कुमार सिंह के खिलाफ एसपी हर्षवर्धन अगरवाला कार्रवाई नहीं करते हैं, तो वे सीधे मुख्यमंत्री से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की जानकारी देंगे। साथ ही, सभी फर्जी रजिस्ट्रियों और पट्टों की निष्पक्ष जांच की मांग उठाएंगे। गढ़ी क्षेत्र में विधायक के इस रुख से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मचा हुआ है। तहसीलदार और थाना प्रभारी दोनों पहले ही विपक्ष और क्षेत्रीय संगठनों के निशाने पर थे, अब विधायक के खुलकर सामने आने से मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, जल्द ही इस प्रकरण की फाइल जिला प्रशासन के स्तर तक पहुंच सकती है। विधायक के सख्त तेवरों के बाद ग्रामीणों को अब प्रशासनिक कार्रवाई की उम्मीद जगी है।

उदयपुर में कैश वैन से करोड़ों की चांदी बरामद, 5 युवक हिरासत में, इनकम टैक्स और जीएसटी टीम भी जांच में जुटी

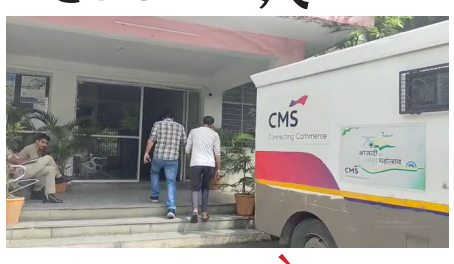

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 जुलाई। उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया, जब कैश डिपॉजिट वैन से भारी मात्रा में चांदी बरामद हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 1100 किलो चांदी जब्त की, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 11 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने गाड़ी समेत 5 युवकों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक पूछताछ और दस्तावेज जांच में अनियमितताएं सामने आने पर इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई है।

कैश वैन में तस्करी का खेल

थानाधिकारी श्याम सिंह चारण ने बताया कि घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। गाड़ी सीएमएस कनेक्टिंग कॉमर्स कंपनी की थी, जो देशभर में एटीएम में कैश सप्लाई का काम करती है। गाड़ी पर गुजरात नंबर (GJ 01 JT 5787) अंकित था, लेकिन आगे नंबर प्लेट नहीं लगी थी। शक होने पर वाहन को रुकवाया गया। पूछताछ में सवार युवक सही जवाब नहीं दे पाए। तलाशी लेने पर गाड़ी में रखे थैले से 1100 किलो चांदी मिली। साथ में कुछ दस्तावेज भी बरामद किए गए, जिनकी जांच जारी है। थानाधिकारी के अनुसार, पूछताछ के दौरान युवकों ने बताया कि वे अहमदाबाद से हिम्मतनगर होते हुए जयपुर जा रहे हैं। जबकि पुलिस को संदेह इस बात पर हुआ कि हिम्मतनगर का रूट गोगुंदा होते हुए नहीं आता। सही रूट नाथद्वारा होकर जाता है। यहीं से संदेह गहराया और चेकिंग में पूरा मामला पकड़ में आ गया।

टैक्स चोरी की आशंका, इनकम

टैक्स व जीएसटी टीम जांच में जुटी चांदी की इतनी बड़ी खेप और अधूरे दस्तावेज मिलने पर इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग की टीम भी थाने पहुंची। अधिकारी दस्तावेज खंगालने और युवकों से पूछताछ में जुटे हैं। फिलहाल तस्करी व टैक्स चोरी की आशंका जताई जा रही है। थानाधिकारी चारण ने बताया कि चांदी की खेप किसके लिए और कहां ले जाई जा रही थी, इस बारे में गहन पूछताछ चल रही है। जांच पूरी होने के बाद ही इस गोरखधंधे की असली तस्वीर सामने आएगी। पांच युवक हिरासत में, वाहन जब्त पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर पांचों युवकों को हिरासत में ले लिया है। पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उदयपुर में गोगुंदा उपखंड अधिकारी के तानाशाही रवैये के खिलाफ शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन, स्थानांतरण व जांच की मांग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 जुलाई। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी शुभम भैंसारे के खिलाफ शिक्षा विभाग में अव्यवहारिक कार्यवाही और तानाशाही रवैये का आरोप लगाते हुए मुख्य सचिव राजस्थान सरकार के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष शेरसिंह चौहान और जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर परमार के नेतृत्व में शिक्षकों और पदाधिकारियों ने विरोध जताते हुए उपखंड अधिकारी पर शिक्षा विभाग की कार्यशैली में अनावश्यक हस्तक्षेप और नियमों के विरुद्ध कार्रवाई करने का आरोप लगाया। प्रधानाचार्य सुधा शर्मा को नोटिस देने पर विवाद प्रदेशाध्यक्ष शेर सिंह चौहान ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ओबरा कलां की प्रधानाचार्य सुधा शर्मा को विद्यालय में पाठ्यपुस्तक वितरण, प्रवेश प्रक्रिया और वेतन बिल तैयार करने जैसे शैक्षणिक कर्तव्यों के निर्वहन के आरोप में 17 सीसी का आरोप पत्र जारी किया गया है, जो पूरी तरह अवैधानिक है। उन्होंने कहा कि वही उपखंड कार्यालय शिक्षकों को बीएलओ बनाकर खाद्य सुरक्षा योजना का सर्वेक्षण और अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों में व्यस्त रखता है। ऐसे में शिक्षकों की नियमित शैक्षणिक सेवाएं बाधित हो रही हैं। प्रतिनियुक्ति शिक्षकों से शिक्षा व्यवस्था पर संकट जिला महामंत्री कमलेश शर्मा ने बताया कि उपखंड अधिकारी कार्यालय में विज्ञान-गणित जैसे महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षक वर्षों से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं। जिससे ग्रामीण विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने याद दिलाया कि 12 अक्टूबर 2021 के राज्य सरकार के आदेशानुसार साक्षात्कार या परीक्षा के जरिए प्रतिनियुक्ति अधिकतम 3 वर्ष तक सीमित है और अन्य सभी प्रतिनियुक्तियों पर पूर्ण प्रतिबंध है। बावजूद इसके नियमों की अनदेखी कर शिक्षकों को उपखंड कार्यालयों में पदस्थापित किया गया है। ज्ञापन में संघ ने मांग की है कि—

उपखंड अधिकारी शुभम भैंसारे का तत्काल स्थानांतरण किया जाए।

उनके विरुद्ध प्रशासनिक जांच प्रारंभ की जाए। प्रधानाचार्य सुधा शर्मा पर लगाया गया 17 सीसी का नोटिस वापस लिया जाए।

उपखंड कार्यालय में प्रतिनियुक्त सभी शिक्षकों को मूल विद्यालय में भेजा जाए।

प्रदेशभर में उपखंड कार्यालय व जिला प्रशासन में प्रतिनियुक्त शिक्षकों को कार्यमुक्त किया जाए। कार्मिक विभाग प्रत्येक माह उपखंड अधिकारी से अनिवार्य प्रमाणपत्र ले कि उनके कार्यालय में कोई शिक्षक प्रतिनियुक्ति पर नहीं है।

शिक्षकों को बीएलओ सहित अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों से तत्काल मुक्त किया जाए।

कई संगठनों व शिक्षकों ने जताया समर्थन ज्ञापन कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष सतीश जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन व्यास, जिला महामंत्री कमलेश शर्मा, तुलसीराम सुथार, रईस खान, नानकराम बेरवा, प्रेम सिंह भाटी, अशोक मीणा, शंकर लाल मीणा, पुष्कर लोहार, गोपाल लक्कार, मनोज मोची, नरेंद्र अवाना, प्रेम बेरवा, सुभाष बिश्नोई, उदय सिंह गुर्जर समेत बड़ी संख्या में शिक्षक और पदाधिकारी शामिल रहे।

उदयपुर में तीरंदाजी को नई उड़ान, खिलाड़ियों को वितरित हुए मणिपुर से मंगवाए विशेष धनुष

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला तीरंदाजी संघ उदयपुर के तत्वावधान में राजस्थान महिला विद्यालय सभागार में मंगलवार को तीरंदाजी खेल को बढ़ावा देने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मणिपुर से मंगवाए गए दस विशेष तीरंदाजी धनुषों का विमोचन और वितरण किया गया। जिला तीरंदाजी संघ के सचिव गिरधारी सिंह चौहान ने बताया कि राजस्थान महिला विद्यालय और उदयपुर तीरंदाजी स्पोर्ट्स अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में इस आयोजन का उद्देश्य शहर और आसपास के युवा खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन और प्रशिक्षित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि तीरंदाजी जैसे पारंपरिक खेलों को आधुनिक मंच और संसाधन मिलना युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा, "उदयपुर के गाँवों से लिम्बाराम, धूलचंद और श्यामलाल जैसे धनुर्धरों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। आज की पीढ़ी भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाए।" कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान महिला विद्यालय के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह शक्तावत ने की। उन्होंने विद्यालय में संचालित विभिन्न खेल अकादमियों की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में नितिन हिंगड़, विनोद साहू, के. जी. मूंदड़ा, यतीन्द्र बाबेल और ललित सिंह सिसोदिया उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को तीरंदाजी सेट वितरित किए। उल्लेखनीय है कि उदयपुर तीरंदाजी स्पोर्ट्स अकादमी में जिला तीरंदाजी संघ द्वारा नियुक्त कोच विक्रम सेन द्वारा खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत में संजीव भाटी, विपिन मारवाड़ी और गोविंद सिंह चौहान ने अतिथियों का मेवाड़ी पाग और उपरणा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष ललित सिंह सिसोदिया ने घोषणा की कि अक्टूबर माह में उदयपुर में राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के कई तीरंदाजी पदाधिकारी, खेल प्रेमी और खिलाड़ी मौजूद रहे। आयोजन ने उदयपुर में तीरंदाजी को नई ऊर्जा देने का काम किया।

पाली में 252 मिमी बारिश से शहर बेहालः स्कूल बंद, घरों में भरा पानी, कलेक्टर-एसपी को करना पड़ा ट्रैक्टर सवारी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, स्टेट डेस्क। पाली शहर में दो दिन से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। रविवार सुबह 8 बजे से सोमवार शाम 5 बजे तक महज 36 घंटों में 252 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे शहर डूब गया। सड़कों से लेकर कॉलोनियों और बाजारों तक हर जगह जलभराव की भयावह स्थिति बनी रही। हालात इतने बिगड़ गए कि सोमवार को स्कूलों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी और जिला प्रशासन को भी पानी से घिरी गलियों का जायजा ट्रैक्टर और जेसीबी के जरिए लेना पड़ा। प्रशासन की बेबसीः कलेक्टर और एसपी निकले ट्रैक्टर से सोमवार को जिला कलेक्टर एलएन मंत्री और पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट खुद ट्रैक्टर पर सवार होकर शहर के हालात का जायजा लेने निकले। भास्कर टीम भी जेसीबी में सवार होकर अलग-अलग कॉलोनियों में पहुंची, जहां हर जगह बाढ़ जैसे हालात देखने को मिले। आदर्श नगर कॉलोनी तीन फीट तक पानी भरा मिला पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख के घर के सामने तक जलभराव देखा। मोची कॉलोनी और बांगड़ अस्पताल क्षेत्र में घरों व दुकानों में पानी घुसा, स्थानीयों की शिकायत- हर साल यही हाल, कोई स्थायी समाधान नहीं पांच मोखा पुलिया इलाका तालाब में तब्दील एक कार पानी में डूबी, बाइकें बंद, सर्वोदय नगर, गोकुलवाड़ी, नया गांव रोड और रेलवे ट्रैक तक जलमग्न हुआ। अंबेडकर नगर में करंट से कैलाश नामक युवक की मौत, दूध लेने निकला था। लोढ़ा स्कूल रोड पर सड़क पर तीन फीट तक पानी, स्विमिंग पूल जैसा नजारा दिखा।

होमगार्ड जवान तैनात, दुर्घटनाओं की आशंका

वीडी नगर और नेशनल पार्क रोड भी पानी में डूबी जेसीबी से इलाके का लिया गया निरीक्षण नया गांव व पठान कॉलोनी गलियों में डेढ़ फीट तक पानी सरकारी स्कूल का मैदान जलमग्न हुआ। सुंदर नगर, ब्रह्म विहार, सूर्या कॉलोनी में भी बाढ़ जैसे हालात रहे।

उदयपुर के सनातन धर्म मंदिर में 16 जुलाई से भगवान झूलेलाल का चालीहा महोत्सव, 40 दिन तक भक्ति-संस्कार का संगम

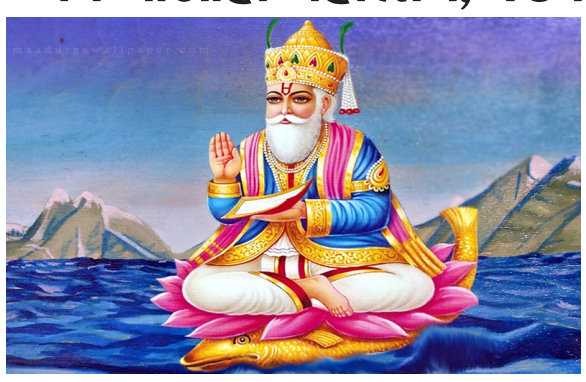

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 जुलाई। सिंधी समाज की आस्था और संस्कृति का प्रतीक भगवान झूलेलाल का चालीहा महोत्सव इस वर्ष भी पूरे भक्ति भाव और परंपरा के साथ मनाया जाएगा। पूज्य बिलोचिस्तान पंचायत और सनातन धर्म सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में 16 जुलाई से 24 अगस्त तक शक्तिनगर स्थित सनातन धर्म मंदिर परिसर में चालीहा महोत्सव का आयोजन होगा। आयोजन समिति के सदस्य मनोज कटारिया ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 40 दिन तक लगातार भजन-कीर्तन, पंजड़ा, पल्लव, आरती और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा। हर दिन श्रद्धालु अलग-अलग प्रसाद का भोग अर्पित करेंगे। 25 अगस्त को भगवान झूलेलाल के बहिराणा साहिब का विसर्जन कर महोत्सव का समापन होगा। महोत्सव को भव्य बनाने के लिए नानक राम कस्तूरी, जितेंद्र तलरेजा, विजय आहुजा, बसंत कस्तूरी, जेतूराम, सुनील डोडेजा, जय सपरा और मनोज कटारिया ने बैठक कर आयोजन की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। समाज के वरिष्ठजनों और युवाओं की विशेष भूमिका भी महोत्सव में रहेगी। झूलेलाल चालीहा उत्सव का ऐतिहासिक महत्व श्री बिलोचिस्तान पंचायत के महासचिव विजय आहुजा ने जानकारी देते हुए बताया कि सिंध के तत्कालीन शासक मिरखशाह के अत्याचारों के विरुद्ध सिंधी समाज ने 40 दिन तक कठिन जप-तप किया था। तभी सिंधु नदी में मत्स्य वाहन पर विराजमान भगवान झूलेलाल ने प्रकट होकर प्रजा को आश्वासन दिया कि वे 40 दिन बाद जन्म लेकर समाज को मुक्ति दिलाएंगे। चैत्र शुक्ल द्वितीया को उडेरोलाल के रूप में जन्म लेकर अपने चमत्कारों से समाज का उद्धार किया। आज भी सिंधी समाज जुलाई-अगस्त माह में 40 दिन तक कठिन व्रत, अखंड ज्योति, भजन-कीर्तन और बहिराणा साहिब की पूजा करता है। समाजसेवी जितेंद्र कालरा ने बताया कि भगवान झूलेलाल को सिंधी समाज जल देवता वरुण के अवतार के रूप में पूजता है। जल को जीवन का आधार मानते हुए सिंधी समाज जल-ज्योति, हरियाली और सुख-शांति की कामना के साथ चालीहा पर्व मनाता है। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन मंदिर में भव्य भजन संध्याएं, आरती और प्रसादी वितरण होगा। अंतिम दिन भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें समाजजन पारंपरिक वेशभूषा और लोकनृत्य 'छेज' की प्रस्तुति देंगे। आयोजन समिति ने शहरवासियों और सिंधी समाज के श्रद्धालुओं से इस पावन उत्सव में भाग लेकर भगवान झूलेलाल का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

MLSU : हड़ताल जारी, चक्की पिसिंग का कारण "ईगो हर्ट" प्राब्लम

24 न्यूज अपडेट

ये गुस्सा, ये आक्रोष, ये मायूसी के मंजर एक बार फिर उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की आत्मा को झकझोर रहे हैं। हंसी से खिले चेहरे, दूसरों की सेवा में आतुर रहने वाले चेहरे, विश्वविद्यालय के हर काम में अग्रणी रहने वाले चेहरे अब गहरे आक्रोष से भरे हुए हैं। बरसों की मेहनत पर ऐसे प्रोफेशनल लोगों की नजर लग गई है जिनकी संवेदनाएं मर चुकी हैं। जो अपने हितों को साधने के लिए साम, दाम, दंड और भेद की रणनीति पर चल रहे हैं। बड़ी ही निष्ठुरता से हर बार तनख्वाह और नौकरी पर प्रश्न चिन्ह लगाकर अपने पावर का सामूहिक रूप से मिसयूज करते हैं। एसएफएबी कर्मचारियों की मायूसियों में अपनी जीत देखते हैं। किसी भी हाल में उनको हारते हुए देखना चाहते हैं। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कर्मचारी संगठन की ओर से आज लगातार दूसरे दिन हड़ताल का मोर्चा जारी है। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में आंदोलन के नारों के साथ ही ओम नमः शिवाय के मंत्र भी गूंज रहे हैं। आलम यह है कि सभी उच्च अधिकारी आज तय समय पर विश्वविद्यालय तो पहुंचे हैं मगर अनदेखी करते हुए अपने अपने चेंबर में चले गए हैं। उनके चेहरों पर शिकन साफ देखे जा सकते हैं लेकिन किसी के आदेश ने उनके हाथ बांध रखे हैं। किसी की जिद्द के आगे वे भी अपने होंठ सिले बैठे हैं। उनके हाथ में डिसिजन पावर तो है मगर फैसले की कलम पर किसी ने पहरा बिठा रखा है। विश्वविद्यालय के अधिकांश काम ठप हो गए हैं,बाहर से आने वाले परेशान हो रहे हैं लेकिन इनके कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। सब तरफ एक ही मंत्र चल रहा है कि बॉस मैनजमेंट करते रहो, बॉस की गुडबुक में रहो और अपने हितों को साधते रहो। सुखाड़िया विश्वविद्यालय में यह मंजर अभूतपूर्व है। यह एटीट्यूड अभूतपूर्व है। क्योंकि इससे पहले इतनी हठधर्मिता कभी नहीं देखी गई। इतनी बेरूखी कभी नहीं देखी गई। आपको बता दें कि कर्मचारियों की मांगें वही हैं तो एक साल पहले थी। नौकरी में स्थायित्व, नियमित तनख्वाह, महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश, दिवंगत हुए कर्मचारियों के परिजनों को नौकरी। यह अचरज की बात है कि इन्हीं मांगों के चलते कई बार हड़ताल हो चुकी है और कई बार सार्वजनिक रूप से हड़तालें बड़ी बड़ी घोषणाएं करके तुड़वाई जा चुकी हैं। लेकिन हर बार एसएफएबी कर्मचारियों को धोखा ही मिला है। कभी नेताओं ने धोखा दिया तो कभी प्रशासनिक धोखा हुआ। कल एक बार फिर से कर्मचारियों को हड़ताल का ऐलना करना पड़ा। वह भी तब जब गेस्ट फेकल्टी के इंटरव्यू होने वाले है।। बिलोता में कॉलेज पर ताला लगाने की नौबत है क्योंकि सभी संविदाकर्मी हड़ताल पर हैं। स्वीपर ने भी हड़ताल का झाडू हाथ में थाम नौकरी खाने वालों के इरादों का सफाया करने की ठान ली है। लेकिन फिर भी प्रशासन टस से मस नहीं हो रहा है। डेमेज कंट्रोल के लिए परमानेंट कर्मचारियों व शिक्षकों को कामन संभलाई जा रही है। लेकिन यह सब कर पाना उनके लिए भी बहुत मुश्किलों भरा सबब और सबक साबित हो रहा है। कुल मिला कर सभी कॉलेजों के 300 जने स्ट्राइक पर हैं। काम प्रभावित होने के बीच हमने जब कर्मचारियों से बात की तो उन्होंने कहा कि किसी का ईगो हर्ट हो गया है। वो बेक चैनल टॉक्स में धमका रहे हैं, नौकरी खाने तक की बातें कही जा रही हैं। तरह तरह से प्रेशर बनाए जा रहे हैं लेकिन उनकी एकता के आगे सारे प्रेशर कूकर सीटियां देने लग गए हैं। उनमें से भाप निकल कर बता रही है कि ज्यादा दबाव सहन नहीं किया जा सकता।

ओ हुजूर, ये कैसा सुरूर : जिनकी नौकरी का आदेश ही नहीं, उनको नोटिस देकर काम लेने का फरमान

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

No. F. 3(91)/UCSSH/Estt/2025/ 365 Dated : 15-07-2025

: कार्यालय आदेश :

महाविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्ष/प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है महाविद्यालय के नवीन सत्रारम्भ एवं प्रवेश प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए समस्त स्ववित्तपोषित सलाहकार मण्डल (SFAB) के तहत कार्यरत सेवाप्रदाताओं को सूचित करावें कि विभाग एवं महाविद्यालय के अधिष्ठाता कार्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करने के पश्चात् अपने कार्य स्थल पर ही कार्य हेतु उपलब्ध रहें तथा कार्यालय समय के दौरान कोई भी कर्मचारी अवांछनीय गतिविधियों/हडताल/विश्वविद्यालय की गरिमा के विरुद्ध कार्य में शामिल न हो यह सुनिश्चित करें अन्यथा उपरोक्त गतिविधियों में संलग्न पाये जाने पर उनके विरुद्ध विश्वविद्यालय/SFAB के नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही कर अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें।

अधिष्ठाता

प्रतिलिपि सूचनार्थ :
1. समस्त विभागाध्यक्ष/ प्रभारी ______ विसाविमाम, उदयपुर।
2. सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, विसाविमाम, उदयपुर।
3. अति.निजी सचिव अधिष्ठाता, विसाविमाम, उदयपुर।
4. अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, विसाविमाम, उदयपुर।
5. ______
6. रक्षित पत्रावली।

अधिष्ठाता

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एमएलएसयू) प्रशासन अपने ही बनाए नियमों के जाल में उलझता नजर आ रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्ववित्त पोषित सलाहकार मण्डल के कर्मचारियों के कार्यादेश और वेतनादेश 1 जुलाई 2025 से जारी ही नहीं किए हैं। लेकिन अब उन्हीं कर्मचारियों को काम पर उपस्थित रहने व धरने में शामिल न होने का नोटिस थमा दिया है। विश्वविद्यालय की ओर से सोमवार को महाविद्यालयों के विभागाध्यक्षों और प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी एसएफएबी कर्मचारी अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यस्थल पर उपलब्ध रहें तथा किसी भी हड़ताल, अवांछनीय गतिविधि या विश्वविद्यालय की गरिमा के विरुद्ध गतिविधि में शामिल न हों। यदि ऐसा करते पाए गए तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

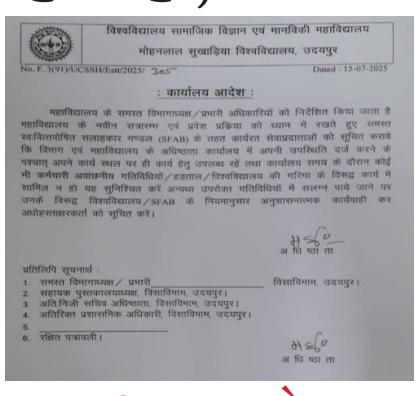

कर्मचारियों का तर्क - जब आदेश नहीं, तो जवाबदेही कैसी?

कर्मचारियों का कहना है कि जब विश्वविद्यालय प्रशासन ने 1 जुलाई 2025 से आगे का कार्यादेश और वेतनादेश जारी ही नहीं किया, तो फिर उनकी सेवाओं को लेकर किसी भी प्रकार का आदेश या नोटिस कैसे जारी किया जा सकता है। यह व्यवस्था तर्कसंगत नहीं है और सीधे तौर पर कर्मचारियों को डराने, दबाव बनाने व उनकी जायज़ मांगों को कुचलने की कोशिश है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय संविदा/एसएफएबी कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष नारायणलाल सालवी ने कहा एक ओर विश्वविद्यालय प्रशासन ने 30 जून तक कार्य और वेतन आदेश समाप्त कर दिया। 13 दिन बीतने के बाद भी आदेश जारी नहीं किए और जब कर्मचारी शांतिपूर्ण धरने पर बैठे तो उल्टे नोटिस देकर दबाव बनाया जा रहा है। यह बेगार करवाने जैसा है। तानाशाही की हद है कि जिनकी नौकरी का आदेश ही नहीं, उनसे काम पर उपस्थित रहने और हड़ताल न करने का फरमान जारी किया जा रहा है। यह विश्वविद्यालय प्रशासन की दोहरी नीति का जीता-जागता उदाहरण है। धरना दे रहे कर्मचारियों ने एक स्वर में इस आदेश की निंदा करते हुए इसे शोषण व भय का औजार बताया। कर्मचारियों ने ऐलान किया है कि 16 जुलाई से आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा। सभी कर्मचारी रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचकर माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे। उनका कहना है कि शिक्षा के मंदिर में बैठे तानाशाह अफसरों से कर्मचारियों के हितों की रक्षा कराना जरूरी है। कर्मचारी संगठन ने सरकार से मांग की है कि तुरंत 1 जुलाई 2025 से आगे के कार्यादेश और वेतनादेश जारी कर नियमित नियुक्ति तक सभी संविदाकर्मियों को सुरक्षित किया जाए।

"डॉक्टर साहब, यही है जिसने काटा है" - सांप को थैली में डाल कर अस्पताल पहुंचा शख्स, बची जान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 15 जुलाई। राजकीय महाराणा भूपाल (एमबी) हॉस्पिटल की इमरजेंसी यूनिट में मंगलवार को एक ऐसा वाकया हुआ, जिसने डॉक्टरों से लेकर मरीजों तक सभी को हैरान कर दिया। सांप के काटने की सूचना पर अस्पताल पहुंचे जमील मोहम्मद नामक अधेड़ व्यक्ति ने न तो घबराहट दिखाई, न ही सांप को मारा या भगाया। उल्टा उसने बड़े इत्मीनान से सांप को पकड़ा, एक थैली में डाला और सीधे अस्पताल पहुंच गया। हाथ में थैली लेकर इमरजेंसी पहुंचे जमील ने डॉक्टर से कहा — "डॉक्टर साहब, यही है जिसने काटा है... अब आप इलाज कीजिए।" यह सुनकर पहले तो डॉक्टर चौंक गए, लेकिन फिर तुरंत गंभीरता समझते हुए इलाज शुरू किया। सांप को साथ लाने का यह अनूठा तरीका न सिर्फ डॉक्टरों के लिए मददगार साबि त हुआ, बल्कि समय पर सही इलाज मिलने से जमील की जान भी बच गई।

स्मार्ट सूझबूझ ने बचाई जान

डॉक्टरों ने बताया कि जिस सांप ने काटा हो, यदि उसका पता चल जाए तो इलाज आसान हो जाता है। जमील की इस सूझबूझ ने मामले को गंभीर होने से बचा लिया। उन्हें तत्काल एंटी-वेनम इंजेक्शन लगाया गया और कुछ देर बाद उनकी हालत स्थिर हो गई। अस्पताल पहुंचे जमील के हाथ में थैली देखकर मरीज और परिजन पहले तो डर गए, लेकिन जब हकीकत सामने आई तो माहौल हल्का-फुल्का हो गया। कुछ देर में यह घटना इमरजेंसी यूनिट में फिल्मी किस्सा बन गई।

जमील का कहना

जमील मोहम्मद ने बताया — "सांप ने काटा तो मैं अकेला ही अस्पताल निकल पड़ा। डर नहीं लगा, बस सोचा पहले इसे पकड़ कर डॉक्टर के पास ले चलूं ताकि पता चले किसने काटा है। अस्पताल स्टाफ ने भी बिना कोई कागजी झंझट किए तुरंत इलाज किया, नहीं तो आज पता नहीं क्या होता।" डॉक्टरों ने इस मौके पर बताया कि सांप के काटने पर घबराने की बजाय, बिना देर किए अस्पताल पहुंचना चाहिए। यदि सुरक्षित तरीके से सांप की पहचान हो जाए तो इलाज में और आसानी होती है।

झगड़े में दो जनों को छुड़ाने गए एक जन से मारपीट का प्रकरण दर्ज

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नगर के गलियाकोट मोड़ पर एक दुकान के सामने कार खड़ी कर दी, जिसे हटाने को लेकर दुकानदार और कार चालक के बीच झगड़ा होने लगा। इस पर बीच-बचाव करने गए एक जन के साथ कार चालक ने मारपीट कर घायल कर देने का प्रकरण दर्ज हुआ। थाना प्रभारी मदनलाल खटीक ने बताया कि डैयाणा सागवाडिया गढ़ी निवासी यशपाल सिंह पुत्र लालसिंह राव ने रिपोर्ट देते हुए बताया कि मेरी गलियाकोट मोड़ पर नव दुर्गा फार्म की दुकान है। दिनांक 13 जुलाई को रोज की तरह मैं अपनी दुकान पर आया हुआ था। मेरी दुकान के पास ही सुरेश शर्मा की दुकान है, जिसकी दुकान के आगे कुन्दन खटीक निवासी सागवाड़ा अपनी कार लेकर आया तथा दुकान के आगे अपनी गाड़ी खड़ी कर दी। इस पर सुरेश शर्मा ने कुन्दन को अपनी दुकान के आगे से गाड़ी हटाने को कहा, जिस पर वह गाली-गलौच और झगड़ा करने लगा। इस पर मैं वहां गया और कुन्दन खटीक को समझाने की कोशिश की, तो वह गाली-गलौच करने लगा। मैं सुरेश शर्मा की दुकान में चला गया, तो कुन्दन खटीक गाली देते हुए पीछे दुकान में घुस आया तथा वहां पड़े एल्युमिनियम के डंडे से मुझ पर हमला कर दिया। डंडा लगने से मेरी नाक पर गहरी चोट आ गई और खून बहने लगा। चक्कर खाकर मैं वहीं गिर पड़ा। आस-पास के लोगों ने आकर पड़ोस की दुकान वाले मयूर भाई और सुरेश शर्मा के साथ मुझे नगर के राजकीय चिकित्सालय इलाज के लिए ले गए। जहां डॉक्टर ने नाक की गहरी चोट को देखकर 6 टांके लगाए। मामले की जांच एसआई सोमेश्वर को सौंपी गई है।

राजसमंद : डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने कॉलेज में कक्षा कक्षों का किया लोकार्पण, छात्राओं को वितरित की स्कूटी

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद, 15 जुलाई। राजसमंद के सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय महाविद्यालय में मंगलवार को भव्य समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने नवीन कक्षा कक्षों का लोकार्पण किया और छात्राओं को स्कूटी वितरित की। इस मौके पर सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ और राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में काली बाई भील मेधावी छात्रा योजना और देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना के तहत चयनित 22 होनहार छात्राओं को स्कूटी प्रदान की गई। स्कूटी पाकर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। छात्राओं ने राज्य सरकार का आभार जताते हुए कहा कि इससे उनकी कॉलेज आने-जाने की सुविधा आसान हो जाएगी और वे पढ़ाई में और बेहतर कर सकेंगी। छात्रा रेहनूमा परविन और नाजिश ने बताया कि अब उन्हें कॉलेज आने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। इस अवसर पर डिप्टी सीएम बैरवा ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार कर रही है। राज्य की बेटियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर और साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि वे हर क्षेत्र में आगे बढ़ें और समाज का नाम रोशन करें। उन्होंने कॉलेज में 1 करोड़ 66 हजार रुपए की लागत से बने नवीन कक्षा कक्षों का लोकार्पण करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी और बैठने की क्षमता भी बढ़ेगी। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने महाविद्यालय के लिए 30 लाख रुपए की लागत से खेल मैदान बनवाने की घोषणा की। वहीं, विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कॉलेज में लाइब्रेरी के विकास हेतु 10 लाख रुपए की घोषणा की। दोनों जनप्रतिनिधियों ने छात्र—छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

जे.के. सीमेन्ट निम्बाहेडा के तत्वाधान में हरियालों राजस्थान अभियान एकपेड मॉ के नाम

24 न्यूज़ अपडेट

निम्बाहेडा। हरियालों राजस्थान अभियान के अन्र्तगत आज जे. के. सीमेन्ट निम्बाहेडा स्थित मालियाखेडी खद्वान क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विकास पंचौली उपखंड अधिकारी निम्बाहेडा ,आषीष बोरासी ,डॉ. गिरीराज कुमार सोनगरा, दीपेष कुमार मेघवाल ,रणजीत मीणा ,सुनील कुमार यादव व जे.के. सीमेन्ट के कर्मचारियों व अधिकारियों के साथ ही आस-पास के विधालय के विधार्थी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर जे.के.सीमेन्ट के युनिट हेड मनीष तोषनीवाल ने बताया कि जे.के.सीमेन्ट के प्लांट एंव खद्वान क्षेत्र में पौधारोपण का कार्यक्रम मानसुन के प्रारम्भ होते ही किया जा रहा है जो कि अनवरत जारी है। एंव आज के दिन इस कार्यक्रम के माध्यम से 1500 पौधे लगाने का लक्ष्य प्राप्त किया गया।

नीमज माता रोप-वे पर परखी आपदा प्रबंधन की तैयारियां, रोप-वे में फसे लोगों के रेस्क्यू का किया

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। नीमच माता स्थित रोप-वे की ट्रॉलियां तकनीकी कारण से अचानक रुक गई जिससे पर्यटकों की जान सांसत में आ गई। तभी प्रशासन के नेतृत्व में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर सेफ्टी, रोपवे प्रबंधन की ओर से नियुक्त स्टाफ ने मोर्चा संभाला और ट्रॉलियों में फंसे यात्रियों को सुरक्षित निकाला। यह दृश्य था मंगलवार को रोप वे पर किए गए मॉक ड्रिल का। आपदा प्रबंधन को लेकर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेन्स सहित अन्य एजेंसियों की तैयारियों को परखने के लिए यह मॉक ड्रिल जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में बड़गांव एसडीएम निरमा विश्नोई , तहसीलदार हितेश त्रिवेदी, नायब तहसीलदार रमेश कुमार, रेवेन्यू इंस्पेक्टर दलपत सिंह की उपस्थिति में फतहसागर की पाल स्थित नीमज माता रोप-वे पर हुआ। इसमें रोप-वे की ट्रॉलियों में फसे लोगों को रेस्क्यू करने का जीवंत प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बल, राज्य आपदा प्रबंधन बल, सिविल डिफेन्स तथा अग्निशमन टीमें मंगलवार सुबह नीमज माता रोप-वे पर पहुंची। सामूहिक पूर्वाभ्यास किया गया जिसमें दामोदर रोप-वे एण्ड इंफ्रा लिमिटेड के मैनेजर कपिल ध्यानी के नेतृत्व में रोप-वे की रेस्क्यू टीम भी शामिल हुई। पूर्वाभ्यास के दौरान पर्यटकों से भरी रोप-वे ट्रोली के तकनीकी कारणों से बीच में अटकनें तथा इससे पर्यटकों की जान खतरे में पड़ने का दृश्य तैयार किया। रेस्क्यू टीम के जवान चैन-कुम्पी की मदद से स्लाइड करते हुए ट्रोली तक पहुंचे और अंदर फंसे पर्यटकों को सांत्वना देते हुए हिम्मत बंधाई। नीचे मौजूद जवानों की मदद से पर्यटकों को एक-एक कर सुरक्षित नीचे उतारा गया। घबराहट के चलते पर्यटकों को हुई स्वास्थ्य समस्याओं पर त्वरित प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने जैसी सभी गतिविधियों का जीवन्त प्रदर्शन किया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान आपसी समन्वय, आवश्यक सावधानियां, जरूरी उपकरण आदि के बारे में जानकारी दी गई। मॉक ड्रिल के दौरान एनडीआरएफ के सेकंड कमांडेंट रामेश्वर यादव, निरीक्षक राजेश महलावत, एसडीआरएफ प्लाटून कमाण्डर महेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल हाकम खान, अग्निशमन अधिकारी नवदीप सिंह, सिविल डिफेन्स टीम लीडर धनेंद्र कश्यप सहित जवान उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में रिक्त स्थानों पर मांगे आवेदन

24 न्यूज़ अपडेट

उदयपुर, 15 जुलाई। आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान जयपुर द्वारा बी.ए. प्रथम सेमेस्टर सत्र 2025-26 के लिए श्रेणीवार रिक्त स्थानों पर ऑनलाईन आवेदन 16 से 22 जुलाई तक मांगे गए हैं। आर. के. सर्कल के पास स्थित राजकीय महाविद्यालय बडगांव की प्राचार्य प्रो. अंजना गौतम ने बताया कि विद्यार्थी 22 जुलाई तक ई-मित्र पर जाकर अथवा अपनी एस.एस.ओ. आई.डी. से लॉगइन कर जन आधार के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित तिथि पर महाविद्यालय द्वारा छात्रों की वरीयता सूची जारी की जाएगी इसके पश्चात छात्रों के मूल दस्तावेजों का सत्यापन महाविद्यालय में किया जाएगा। विद्यार्थी सावधानी पूर्वक अपना आवेदन पत्र भरें तथा अभिभावकों के मोबाइल नम्बर के कॉलम में केवल अपने माता या पिता का मोबाइल नम्बर ही भरना सुनिश्चित करें। ई-मेल आई.डी. के कॉलम में ईमित्र वाले का ई-मेल आई.डी. ना भरकर स्वयं का ई-मेल आई.डी. भरें। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित किसी भी जानकारी एवं अपडेट के लिए छात्र आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा एवं राजकीय महाविद्यालय बडगांव की वेबसाइट देख सकते हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।